● पढ़ो, समझो और लिखो :

३. कठपुतली

प्रस्तुत कहानी द्‌वारा जीवन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनाते हुए अंधविश्वास से दूर रहने का संदेश दिया गया है ।

विशेषता हमारी

✲ चित्र देखकर विशेषणयुक्त शब्द बताओ और उनका वाक्यों में प्रयोग करो ।

शहर में आनंद महोत्सव का आयोजन किया गया था । जिसमें विभिन्न राज्यों की संस्कृति एवं शिल्पकला की तथा अन्य दुकानें सजी हुई थीं। इनमें विविध कलाओं की विशेषताओं के दर्शन, खेल, प्रदर्शनी, मौत का कुआँ, छोटे-बड़े झूले, कठपुतली का नृत्य और खाने-पीने की दुकानें आकर्षित कर रही थीं। प्रीति अपने मित्र तेजस, प्रसन्ना और मृण्मयी के साथ महोत्सव देखने आई थी । आईसक्रीम का आनंद लेते हुए वह कठपुतली के नृत्य की दुकान के सामने सूत्रधार की आवाज सुनकर रुकी । वह कह रहा था-

''आओ, आओ सारे बहन-भाई
शकुन-अपशकुन की है लड़ाई
दिखाओ इसमें तुम चतुराई
कर लो आज मोटी कमाई । ''

❑ श्यामपट्ट पर कहानी में आए विशेषणों (काली, बहुत, एक, ये) की सूची बनाएँ और उन्हें भेदों सहित समझाएँ । इन शब्दों का वाक्य में प्रयोग कराएँ । कहानी में आए नए शब्दों के अर्थ बताकर उनसे अपने शब्दों में कहानी लिखवाएँ ।

जरा सोचो .... लिखो

यदि तुम्हें अलादीन का चिराग मिल जाए तो...

प्रीति ने देखा–बाजू में एक बोर्ड रखा था, जिस पर लिखा था–

''आइए, आइए, हमें गलत साबित करके, हजार रुपए ले जाइए ।'' प्रीति ने सोचा यह कौन–सा बड़ा काम है चलो, आज आजमाते हैं । प्रीति अपने मित्रों के साथ अंदर गई तो देखती क्या है, कुछ कठपुतलियाँ रंग–बिरंगे पहनावे पहनकर आँखें मटकाती हुई इधर से उधर आ जा रही थीं । लोगों का स्वागत करती हुई सूत्रधार के वाक्य को दोहरा रही थीं। आवाज तो विद्‌यार्थियों की है पर लगता है कि कठपुतलियाँ बोल रही हैं ।

तभी एक कठपुतली हाथ में एक नारियल लेकर आई और कहने लगी –''बहनो और भाइयो तथा साथ में आई भाभियो, नमस्कार, प्रणाम, वेलकम ! किसी भी नए कार्य का प्रारंभ नारियल फोड़कर किया जाता है। आइए, हम भी अपने कार्यक्रम का प्रारंभ नारियल फोड़कर करते हैं '' उसने जोर से नारियल को जमीन पर पटका । अरे ! ये क्या नारियल में से फूल ! आश्चर्य चकित होकर कठपुतली बोली–''देखो, देखो अंधविश्वास ,नारियल से फूल निकले ।'' इसपर सूत्रधार बोला–''देखो मित्रो, यह है हाथ की सफाई । सूत्रधार ने बताया कि नारियल में तीन छेद (आँखें) होते हैं, उनमें से किसी एक छेद को सलाई की सहायता से खोलकर शाम को उसमें से मोगरे या चमेली की कलियाँ अंदर पहुँचाई जाती हैं । प्रयोग के समय तक वे खिलकर फूल बन जाती हैं जिसे लोग अंधश्रद्‌धा समझते हैं, ऐसे ही बाल आदि का प्रयोग कर लोगों को डराते हैं ।'' इतना कहते ही सभी कठपुतलियाँ कमर मटकाती हुई गाने लगीं–

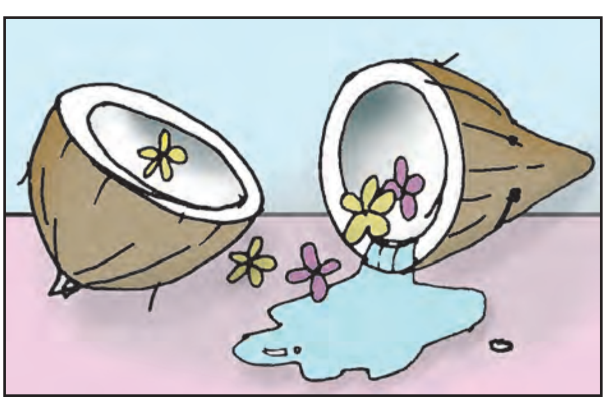

''देखो, देखो सारे बहन–भाई
शकुन–अपशकुन की है लड़ाई
नारियल ने जो खूबी दिखाई,
देखो सभी के सामने आई । ''

तभी एक काली बिल्ली इन कठपुतलियों के सामने से भागी और सारी कठपुतलियाँ ठिठककर खड़ी हो गईं । उनमें से एक मुँह पर हाथ रखकर बोली–''हाय, हाय ! लो, अब तो हो गया कार्यक्रम का बंटाधार ।'' दूसरी कठपुतली बोली–''क्यों, क्या हुआ बहना ।'' पहली कठपुतली बोली–''अरे, देखा नहीं, काली बिल्ली ने रास्ता काटा ।'' तभी सूत्रधार ने प्रवेश कर बताया, ''देखो, बिल्ली को वहाँ उसका प्रिय खाद्‌य चूहा दिखा । जिसे देख बिल्ली उसे पकड़ने को लपकी । उसने जान–बूझकर तुम्हारा रास्ता नहीं काटा है ।'' सूत्रधार के इतना कहते ही कठपुतलियाँ आकर गाने लगीं –

''देखो, देखो, सारे बहन–भाई
शकुन–अपशकुन की है लड़ाई
बिल्ली मौसी जब सामने आई,
भगदड़ सबने खूब मचाई । ''

सारे दर्शक तालियाँ बजाने लगे। तभी एक कठपुतली आऽछीं, आऽछीं कर छींकते हुए आई । एक बार फिर नाचती हुई सारी कठपुतलियाँ डरकर रुक गईं । तभी दूसरी बोली–''अरे रे ! फिर अपशकुन हो गया। आज तो सचमुच ही हमारा कार्यक्रम नहीं होगा ।

- विद्‌यार्थियों से कहानी पढ़वाएँ और प्रश्न बनाकर एक–दूसरे से पूछने के लिए कहें । उनसे अंधविश्वास पर चर्चा कराएँ । इन्हें दूर करने के उपायों को खोजकर उसपर अमल करने के लिए कहें । कोई कार्य पूरा होने या न होने के कारणों पर चर्चा करें ।

स्वयं अध्ययन

उपलब्ध सामग्री से कठपुतली बनाओ और किसी कार्यक्रम में उसका मंचन करो ।

चलो, चलो ।'' तभी सूत्रधार उन्हें रोकते हुए बोला– ''दोस्तो, हम भी यही करते हैं और अपने कार्य को समय पर करने की बजाय या तो उसे विलंब से करते हैं या करते ही नहीं । परिणाम कार्य की अपूर्णता और नाम शकुन–अपशकुन का ।'' सूत्रधार अभी बात ही कर रहा था कि वह कठपुतली फिर से छींकी– आऽछीं । सूत्रधार ने उस कठपुतली से पूछा–''बहना, कहाँ से आ रही हो ?'' कठपुतली बोली–''भैया, पासवाली लल्लन चक्की की गली से । '' तब सूत्रधार हँसते हुए बोला, ''आज लल्लन की चक्की पर हरिकिशनदास के यहाँ की शादी की मिरची पिसाई जा रही है । जो भी उस गली से गुजरता है, ऐसे ही छींकता हुआ आ रहा है ।''

इधर सूत्रधार बात कर ही रहा था कि तभी दूसरी कठपुतली भी छींकती हुई बड़बड़ाती हुई आई, ''आज पता नहीं लल्लन क्या पीस रहा है ? सारा मोहल्ला ही छींक रहा है ।'' इतना सुनना था कि सारी कठपुतलियाँ नाचकर गाने लगी –

''देखो, देखो, सारे बहन–भाई
शकुन–अपशकुन की है लड़ाई ।
छींकों ने जब होड़ मचाई,
काम की गति क्यों हमने रुकाई ?''

अब दर्शक भरपूर मजा लेने लगे । सूत्रधार बोला– ''मित्रो, आपने देखा, हर घटना के पीछे कोई–न–कोई वैज्ञानिक या व्यावहारिक कारण होता है, जिसे हम शकुन–अपशकुन का नाम देकर समय पर अपना काम नहीं करते हैं । जिसका असर हमारे काम पर पड़ता है । उचित फल हमें नहीं मिलता है । अत: आपसे प्रार्थना है कि कृपया कुप्रथा से बचें ।'' अंत में सभी कठपुतलियाँ एक साथ मंच पर आकर गाने लगीं–

''देखो–देखो सारे बहन–भाई
करो शकुन–अपशकुन की खत्म लड़ाई
घर–घर विज्ञान ने रोशनी फैलाई
जन–जन के मन से अंधश्रद्‌धा भगाई ।''

इस मजेदार बात को लेकर प्रीति बड़ी ही खुश हुई । वह अब घर जाकर बुआ से बताएगी, ''विश्वास करो, अंधविश्वास नहीं ।''

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

आजमाना = उपयोग अथवा प्रयोग करके देखना

असर = परिणाम

ठिठकना = सहसा रुकना

मुहावरा

बंटाधार करना = पूरी तरह बरबाद करना

भाषा की ओर

निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग लगाकर लिखो ।

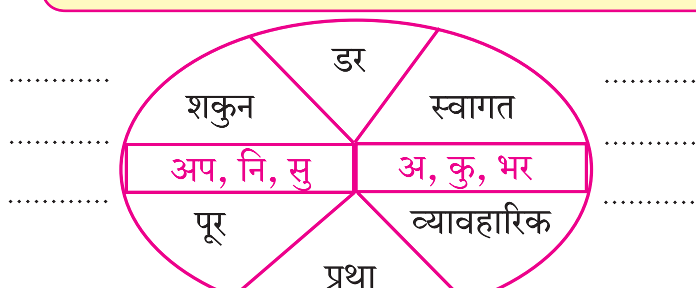

KLPM6X

खोजबीन

अंधश्रद्धा के कारण और उसे दूर करने के उपाय ढूँढ़ो और किसी एक प्रसंग को प्रस्तुत करो ।

सुनो तो जरा

चुटकुले, पहेलियाँ सुनो और किसी कार्यक्रम में सुनाओ ।

बताओ तो सही

किसी एक संस्मरणीय घटना का वर्णन करो ।

वाचन जगत से

हितोपदेश की कोई एक कहानी पढ़ो और उससे संबंधित चित्र बनाओ ।

मेरी कलम से

हिचकी आने जैसी क्रियाओं की सूची बनाकर उनके कारण लिखो ।

* सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखो ।

१. एक कठपुतली हाथ में एक .... लेकर आई ।
(छड़ी, फूल, नारियल)

२. सारी कठपुतलियाँ .... खड़ी हो गईं।
(ठिठककर , भागकर, सहमकर)

३. जिसे लोग .... समझते हैं ।
(श्रद्धा, विश्वास, अंधविश्वास)

४. सारा .... ही छींक रहा है ।
(शहर, मोहल्ला, नगर)

अध्ययन कौशल

नए शब्दों को शब्दकोश में से ढूँढ़कर वर्णक्रमानुसार लिखो ।

सदैव ध्यान में रखो

बिना सोचे विचारे किसी बात पर विश्वास ना करें ।

विचार मंथन

।। विज्ञान का फैलाओगे प्रकाश तो होगा अंधविश्वास का नाश ।।

* नीचे दी गई संज्ञाओं का वाक्यों में प्रयोग करो ।

१. पानी : ....
....

२. भीड़ : ....
....

३. ईमानदारी : ....
....

४. हाथी : ....
....

५. भारत : ....
....

* नीचे दिए सर्वनामों के चित्र देखो, पहचानो और वाक्यों में प्रयोग करो । (तुम, कोई, हम, आप)

१.
....
....

२.
....
....

३. 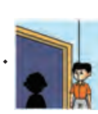
....
....

४.
....
....